मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

## केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

**दिनांकः 17 मार्च 2015**

# जोधपुर

### जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक | 17-03-14 | 18-03-14 | 19-03-15 | 20-03-15 | 21-03-15 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 2 | 0 | 1 | 0 | 1 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 69 | 68 | 64 | 62 | 58 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 21 | 16 | 13 | 13 | 15 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 9 | 9 | 8 | 5 | 11 |
| हवा की दिशा | उत्तर–पूर्व | पूर्व | पूर्व | उत्तर–पूर्व | उत्तर–उत्तर–पूर्व |

### मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

पिछले दिनों हुई वर्षा के कारण खलीहान मे पड़ी हुई फसलों को पलट–पलट कर सुखाएं।

कुष्माण्ड कुल की सब्जियों में लाल भृंग कीट की रोकथाम के लिए कार्बेरिल 5 प्रतिशत चूर्ण या मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।

बैगन व टमाटर की फसल में फल एवं तना छेदक कीट के नियत्रंण हेतु प्रभावित शाखाओं एवं फलों को तोड़ कर नष्ट करें तथा एसीफेट 75 एस.पी. 1.5 ग्राम दवा का प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

मौसम परिवतर्न के कारण चारे में बदलाव धीरे धीरे करें अन्यथा पशु में आफरा होने की संभावना बनी रहती है। मौसम के अनुसार सुपाच्य तथा पौष्टिक चारे की व्यवस्था करें।

भेड़ व बकरियों में फड़किया रोग से बचाव हेतु टीका लगवाएं।